लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1375

11 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग में नवाचार

1375. श्री भर्तृहरि महताबः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय वस्त्रों के लिए उन प्रमुख घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का ब्यौरा क्या है जिनका दोहन नहीं किया गया है और लक्षित विपणन कार्यनीतियों, ब्रांड निर्माण और संवर्धनात्मक अभियानों के साथ इन बाजारों में किस प्रकार पहुंच बनाई जा सकती है;

(ख) पारंपरिक उत्पादों से परे वस्त्र क्षेत्र के भीतर तकनीकी वस्त्र, फैशन परिधान और घरेलू साज-सज्जा जैसे उच्च मूल्य वाले, विशिष्ट क्षेत्रों की ओर बढ़ते हुए नवाचार और विविधीकरण को किस प्रकार प्रोत्साहित किए जाने का विचार है;

(ग) वैश्विक वस्त्र बाजारों में उभरती प्रवृत्तियों का ब्यौरा क्या है और भारतीय विनिर्माताओं द्वारा इन्हें किस प्रकार अपनाए जाने और इनका लाभ उठाए जाने की अपेक्षा है;

(घ) वस्त्र मूल्य श्रृंखला में एआई, आईओटी और आटोमेशन जैसी उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में तेजी लाने के क्या तरीके हैं ताकि कुशलता, उत्पादकता और गुणवत्ता में सुधार किया जा सके;

(ङ) डिजाइन, विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन को बढ़ाने के लिए किन-किन विशिष्ट प्रौद्योगिकी संबंधी उपायों की आवश्यकता है, और

(च) वस्त्र संबंधी कार्यबल में महत्वपूर्ण कौशल की कमी का ब्यौरा क्या है और प्रभावी कौशल विकास कार्यक्रम और व्यावसायिक प्रशिक्षण पहलों के माध्यम से इसे कैसे दूर किया जा सकता है?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार सृजन के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, जिसमें 45 मिलियन से अधिक लोग सीधे तौर पर कार्यरत हैं। भारत के कुल निर्यात में हस्तशिल्प सहित वस्त्र और अपैरल (टी एंड ए) की हिस्सेदारी वर्ष 2023-24 में महत्वपूर्ण 8.21% है। वस्त्र और अपैरल के वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 3.91% है। वैश्विक बाजार में भारतीय वस्त्रों को लोकप्रिय बनाने और भारतीय वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए, सरकार विभिन्न योजनाओं/पहलों को लागू कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्कीम शामिल है, जिसका उद्देश्य आधुनिक, एकीकृत, विश्व स्तरीय टेक्सटाइल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करना है; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए एमएमएफ फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी टेक्सटाइल पर केंद्रित उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन योजना (पीएलआई); अनुसंधान, नवीकरण एवं विकास, संवर्धन एवं बाजार विकास पर केंद्रित राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ योजना जिसका उद्देश्य मांग आधारित, रोजगार उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करना है; रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के व्यापक विकास के लिए सिल्क समग्र-2; हथकरघा क्षेत्र के लिए शुरू से अंत तक सहायता के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम। वस्त्र मंत्रालय हस्तशिल्प कारीगरों को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम और व्यापक हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना भी लागू कर रहा है। इन योजनाओं के तहत विपणन, कौशल विकास, क्लस्टर विकास, कारीगरों को प्रत्यक्ष लाभ, बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकी सहायता आदि के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

इसके अलावा, भारतीय वस्त्र की वैश्विक ब्रांडिंग के लिए, सरकार ने प्रीमियम गुणवत्ता वाले भारतीय कपास को एक विशिष्ट पहचान देने के लिए कस्तूरी कॉटन इंडिया के ब्रांड को ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत किया है। साथ ही, एक सफल वैश्विक मेगा टेक्सटाइल इवेंट भारत टेक्स 2024 के बाद, भारत टेक्स 2025 का आयोजन फरवरी, 2025 में 12 भारतीय टेक्सटाइल निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) द्वारा किया जा रहा है और भारत सरकार के वस्त्र मंत्रालय द्वारा समर्थित व्यापार, प्रौद्योगिकी और परंपरा का सर्वोत्तम प्रदर्शन करने के लिए, एक प्रमुख वस्त्र विनिर्माण केंद्र के रूप में भारत के कौशल, जिसमें कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पादों तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को शामिल किया गया है। यह कार्यक्रम भारतीय वस्त्रों की विविधता और समृद्धि पर प्रकाश डालता है, साथ ही उद्योग की विनिर्माण ताकत के साथ-साथ स्थिरता और निरन्तरता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता पर जोर देता है।

(ख) से (ङ): सरकार वस्त्र उद्योग में नवीन और रचनात्मक प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है। सरकार 1,480 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन को कार्यान्वित कर रही है जिसकी कार्यान्वयन अवधि दिनांक 31.03.2026 है। यह मिशन विशिष्ट फाइबर के अनुसंधान, नवीनता एवं स्वदेशी विकास पर केंद्रित है; उपयोगकर्ताओं में जागृति लाना है; भारत के तकनीकी वस्त्र के निर्यात में वृद्धि करना है; और अपेक्षित कौशल वाले मानव संसाधन तैयार करना है। अब तक एनटीटीएम के तहत 509 करोड़ रुपये मूल्य की 168 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है, जिनमें विशेष फाइबर और कंपोजिट, जियोटेक्सटाइल, एग्रो टेक्सटाइल, सुरक्षात्मक वस्त्र, चिकित्सा वस्त्र, रक्षा वस्त्र, खेल वस्त्र और पर्यावरण अनुकूल वस्त्र शामिल हैं। सरकार ने 5 सितंबर, 2024 को एक द्विभाषी वेब पोर्टल विजोनेक्स्ट और भारत-विशिष्ट फैशन ट्रेंड बुक परिधि 24x25 लॉन्च किया। विजोनेक्स्ट राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) की एक फैशन पूर्वानुमान पहल है। इसका उद्देश्य स्वस्थ वैश्विक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना और भारतीय संस्कृति और डिजाइन को वैश्विक स्तर पर नई ऊंचाइयों पर पहुंचाना है। फैशन उद्योग को विजोनेक्स्ट द्वारा पेश की जाने वाली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इमोशनल इंटेलिजेंस (ईआई)-आधारित ट्रेंड इनसाइट से लाभ होगा।

(च): सरकार संगठित क्षेत्र में रोजगार सृजन और पारंपरिक क्षेत्रों (हथकरघा, हस्तशिल्प, रेशम, जूट) में कौशल विकास/पुनः कौशल विकास में उद्योग के प्रयासों को प्रोत्साहित करने और पूरक बनाने के लिए समर्थ योजना लागू कर रही है। संगठित क्षेत्र में कताई और बुनाई को छोड़कर वस्त्रों की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला को व्यापक कौशल योजना कवर करती है। समर्थ में प्रशिक्षुओं को रोजगार अवश्य मिलता है - प्रवेश स्तर के लिए 70% को और मुख्यधारा के क्षेत्र के तहत कौशल विकास के लिए 90% तथा क्षेत्रीय संगठनों के लिए स्वरोजगार प्राप्त होता है। इस योजना को 20.12.2017 को मंजूरी दी गई थी और आज तक कुल 3.59 लाख लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया गया है और उनमें से 2.87 लाख को काम मिल चुका है। इस योजना को 31.03.2026 तक बढ़ा दिया गया है।

****